दीन दयाल स्पर्श योजना

चर्चा में क्यों?

डाक विभाग ने **वर्ष 2025-26** के लिये [दीन दयाल स्पर्श](#) (शौक के रूप में डाक टिकटों में योग्यता और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये छात्रवृत्ति) **योजना** की घोषणा की है, जिसके तहत **कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों** को **छात्रवृत्ति** प्रदान की जाएगी।

- चयनित छात्रों को डाक टिकट संग्रह में रुचि बढ़ाने के लिये **500 रुपए** की मासिक छात्रवृत्ति मिलेगी।

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- **पात्रता:**
    - छात्रवृत्ति **अकादमिक प्रदर्शन**, डाक विभाग द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी के परिणाम और एक **फिलैटली** परियोजना (फिलैटली डाक टिकटों का संग्रह तथा अध्ययन है) के आधार पर प्रदान की जाएगी।
    - जिन छात्रों ने पिछले वर्ष की परीक्षा में **न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड** प्राप्त किये हैं, वे आवेदन करने के पात्र हैं।
    - [अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति](#) **के छात्रों को 5% की छूट दी जाएगी।**
    - आवेदन करने के लिये, छात्रों को अपने स्कूल के फिलैटली क्लब का सदस्य होना चाहिये, या यदि ऐसा कोई क्लब मौजूद नहीं है, तो उनके पास व्यक्तिगत फिलैटली जमा खाता होना चाहिये।
    - छात्र अपना **आवेदन जनरल पोस्ट ऑफिस (GPO) स्थित फिलैटली ब्यूरो में** जमा कर सकते हैं।
- **उद्देश्य:**
    - छात्रवृत्ति का उद्देश्य युवा आयु के **बच्चों में स्थायी तरीके से डाक टिकट संग्रह को बढ़ावा देना** है, जो शैक्षणिक पाठ्यक्रम को सुदृढ़ और पूरक बना सके, साथ ही उन्हें एक ऐसा शौक प्रदान कर सके जो उन्हें तनावमुक्त करने में मदद कर सके।
- **महत्त्व:**
    - डाक टिकट संग्रह अपने समय के **सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संदर्भ** में शैक्षिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, तनाव से राहत देने वाला शौक है, सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देता है तथा सूचना को व्यवस्थित तथा सूचीबद्ध करने के माध्यम से स्मृति कौशल को बढ़ाता है।

भारतीय डाक

- **स्थापना**: वर्ष 1 अक्तूबर 1854 को **[लॉर्ड डलहौज़ी](#)** (ब्रिटिश भारत के गवर्नर-जनरल) द्वारा
- **ऐतिहासिक समयरेखा**
    - **1766**: रॉबर्ट क्लाइव ने **[ईस्ट इंडिया कंपनी](#)** के तहत डाक प्रणाली स्थापित की (जिसे "कंपनी मेल" कहा जाता है)
    - **1774**: वॉरेन हेस्टिंग्स ने कलकत्ता जनरल पोस्ट ऑफिस खोला- पहला सार्वजनिक डाकघर
    - **1854:** लॉर्ड डलहौज़ी ने डाक सेवा को ब्रिटिश क्राउन के अधीन लाया
- **वर्तमान नेटवर्क**
    - **कुल डाकघर:** 1,64,999 डाकघर (ग्रामीण: 1,49,164 (कुल का 90%) और शहरी: 15,823)
    - **वैश्विक स्थिति:** दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क
- **संगठनात्मक संरचना**
    - **मंत्रालय**: संचार मंत्रालय, भारत सरकार
    - **सर्कल**: भारत में 23 डाक सर्कल
- **सेवाएँ**:
    - **[बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ](#)**
    - **[डाक जीवन बीमा (PLI)](#)**
    - **[इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक](#)**
    - **[ई-कॉमर्स और खुदरा सेवाएँ](#)**
    - **[सरकारी योजना वितरण (पेंशन, मनरेगा)](#)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/deen-dayal-sparsh-yojana